vinetur

चीनी व्यापारियों ने बरगंडी की शीर्ष वाइन की आपूर्ति में कमी बताई

आयातकों के मुताबिक, छोटी फसल और Romanée-Conti तथा Leflaive के सीमित आवंटन से आपूर्ति घटी है ; कुछ इसे कमजोर मांग का संकेत मानते हैं

सोमवार, 23 नवंबर 2026



चीनी आयातक और व्यापारी बरगंडी की कुछ सबसे प्रतिष्ठित वाइन की आपूर्ति में चुनिंदा कमी की बात कर रहे हैं। हालांकि, इस समस्या का दायरा कितना व्यापक है और चीन के लक्ज़री वाइन बाजार में मांग के बारे में इससे क्या संकेत मिलता है, इस पर उनकी राय अलग-अलग है।

सोमवार को Vino Joy News में प्रकाशित साक्षात्कारों के मुताबिक, कई व्यापारियों ने कहा कि Domaine de la Romanée-Conti, Leroy, Leflaive और Domaine Gros Frère et Sœur जैसी वाइनरी की बोतलें हासिल करना मुश्किल हो गया है। छोटी फसल और सख्त आवंटन के चलते चीन पहुंचने वाली वाइन की मात्रा सीमित हो रही है। वहीं, कुछ अन्य लोगों ने कहा कि बाजार में आम तौर पर कमी नहीं है और कमजोर कीमतें खरीदारी में तेजी के बजाय सुस्त खपत का संकेत देती हैं।

शंघाई स्थित Merveille Business के मुख्य कार्यकारी Li Yajun ने प्रकाशन को बताया कि इस साल बरगंडी के कई शीर्ष ब्रांडों की आपूर्ति सीमित हुई है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव जुलाई में शुरू हुआ, जब कुछ कम कीमत वाले विंटेज की मांग पहली बार आपूर्ति से आगे निकल गई और बाद में यह स्थिति दूसरे विंटेज तक भी फैल गई।

बरगंडी वाइनरी समूह के चीन प्रतिनिधि ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि साल की शुरुआत में भी ऐसी ही सीमाएं सामने आई थीं और इनका असर केवल चीन ही नहीं, बल्कि कई बाजारों पर पड़ रहा था। प्रतिनिधि के मुताबिक, बरगंडी का भंडार कुल मिलाकर असामान्य रूप से कम था—ऐसी स्थिति जिसे उन्होंने अभूतपूर्व बताया।

Fine West के मुख्य कार्यकारी Wu Xianghua ने कहा कि उनके अनुसार आपूर्ति में कमी का दायरा कुछ अन्य लोगों के बताए दायरे से छोटा है। उन्होंने Vino Joy News को बताया कि सबसे स्पष्ट दबाव Leflaive की शुरुआती श्रेणी की श्वेत वाइन में दिख रहा है, खासकर कम कीमत वाली क्षेत्रीय वाइन और उन विंटेज में जो पहले ही बिक चुके हैं।

ये अलग-अलग राय ऐसे समय सामने आई हैं जब चीन का व्यापक वाइन बाजार दबाव में है और व्यापारी आपूर्ति की समस्याओं को वास्तविक मांग के संकेतों से अलग करके समझने की कोशिश कर रहे हैं। Li ने कहा कि अमीर चीनी खरीदारों और संग्राहकों के बीच बरगंडी की शीर्ष वाइनरी का आकर्षण अब भी कायम है। इससे ऊंची श्रेणी की वाइन की मांग अपेक्षाकृत स्थिर रहती है, जबकि व्यापक बाजार मुश्किलों से जूझ रहा है। उनके मुताबिक, ऐसे माहौल में कम उत्पादन के कारण कमी पैदा होना आसान हो जाता है।

नाम न बताने वाले बरगंडी वाइनरी समूह के प्रतिनिधि ने भी इसी तरह की दलील दी। उन्होंने कहा कि चीन को बरगंडी का निर्यात मूल्य के लिहाज से बढ़ रहा है और प्रमुख वाइनरी अब भी वाइन पीने वालों के साथ-साथ इसे निवेश मानकर खरीदने वालों को भी आकर्षित कर रही हैं। प्रतिनिधि ने चीनी उपभोक्ताओं के बीच DRC, Leroy, Leflaive और Domaine Gros Frère et Sœur की प्रतिष्ठा की तुलना बोर्दो के वर्गीकृत ग्रोथ्स से की।

हालांकि, Wu ने कहा कि उपलब्धता में कमी को इस बात का सबूत मानना गलत होगा कि चीनी उपभोक्ता बरगंडी की ज्यादा वाइन पी रहे हैं। उनके मुताबिक, मुख्य बदलाव आपूर्ति पक्ष में हुआ है। उन्होंने कहा कि Leflaive ने 2024 और 2025 में कम उत्पादन किया और बिक्री चैनलों के जरिए वाइन के वितरण पर नियंत्रण भी कड़ा किया, जिससे चीन को मिलने वाला आवंटन घट गया। उनके अनुसार, इससे तेजी से बिक्री होने का आभास पैदा हुआ, जबकि वास्तविक खपत नहीं बढ़ी थी।

यह फर्क बरगंडी से आगे भी मायने रखता है। पेय आयातकों और वितरकों के लिए कम बोतलों, कमजोर कीमतों और असमान मांग वाले बाजार में खरीद के फैसले अधिक सटीकता से लेना जरूरी है। खासकर ऊंची श्रेणी में, जहां कमी को बाजार की मजबूती समझा जा सकता है और आपूर्ति घटने के साथ वाइन की प्रामाणिक उत्पत्ति का महत्व बढ़ जाता है।

Li ने फ्रांस के उम्दा वाइन व्यापार का एक और हालिया उदाहरण दिया। उन्होंने बरगंडी की स्थिति की तुलना इस साल की शुरुआत में Château Lafite Rothschild की दूसरी वाइन Carruades de Lafite की कमी से की। उस मामले में, Vino Joy News ने बताया था कि कमजोर मांग के चलते आयातकों ने खरीद घटा दी थी, जिससे अपेक्षाकृत किफायती 2023 विंटेज की कम बोतलें बाजार में रह गईं। साल के मध्य तक व्यापारी फिर कमी की बात करने लगे, हालांकि उपलब्धता में यह गिरावट खपत बढ़ने का नतीजा नहीं थी।

बरगंडी के कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि हाल में कमी के जो दावे किए गए हैं, वे बाजार के अन्य संकेतों से मेल नहीं खाते। Wu ने कहा कि उनके नजरिए से DRC, Leroy और Domaine Gros Frère et Sœur की आपूर्ति अपेक्षाकृत स्थिर दिख रही है। Shanghai Boyun Trading Co. के महाप्रबंधक Lin Jianbing ने Vino Joy News को बताया कि बरगंडी की प्रमुख वाइन की कुल आपूर्ति मोटे तौर पर स्थिर बनी हुई है।

Lin ने कहा कि कुछ साल पहले ऐसे दौर आए थे जब मांग साफ तौर पर आपूर्ति से अधिक थी, लेकिन उनके मुताबिक पिछले दो वर्षों में चीन की आर्थिक स्थिति अब उस पैटर्न को समर्थन नहीं देती। उन्होंने कहा कि अगर मांग सचमुच

आपूर्ति से बहुत अधिक होती, तो कीमतें स्थिर रहतीं या बढ़तीं। इसके बजाय, उनके मुताबिक, पिछले दो वर्षों में इनमें से कई वाइन की कीमतें तेजी से गिरी हैं और केवल कुछ ही अपना मूल्य बनाए रख पाई हैं।

अपनी इस राय के समर्थन में Lin ने Moutai की कीमतों में गिरावट का हवाला दिया, जिसे उन्होंने चीन के व्यापक पेय बाजार का उपयोगी पैमाना बताया। उनके विचार में, Moutai की कमजोर कीमतें उम्दा वाइन समेत कई श्रेणियों पर दबाव का संकेत देती हैं।

यह मतभेद दिखाता है कि बाजार का आकलन सरल शब्दों में नहीं किया जा सकता। उपलब्धता उत्पादक, वाइन, विंटेज और उस चैनल पर निर्भर करती दिखती है जिसके जरिए बोतलें खरीदी जाती हैं। एक नेटवर्क तक पहुंच रखने वाले व्यापारी को आपूर्ति स्थिर दिख सकती है, जबकि किसी दूसरे रास्ते से खरीद करने वाले को सीमित आवंटन और अधिक सोर्सिंग लागत का सामना करना पड़ सकता है।

चिंताएं कीमत और मात्रा से आगे बढ़कर इस सवाल तक पहुंच रही हैं कि बोतलें आ कहां से रही हैं। बरगंडी विशेषज्ञ और Guangzhou Bacchus Fazhuang Trading Co. के अध्यक्ष He Shengxi ने Vino Joy News को बताया कि सीमित आपूर्ति से अनिश्चित मूल की वाइन के बाजार में आने की गुंजाइश बन सकती है। उन्होंने कहा कि कमी वास्तविक है और इससे खरीदारों को अधिक सतर्क होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बरगंडी में करीब एक दशक से उत्पादन घटा हुआ है और पहले जो भी अतिरिक्त भंडार था, वह लगभग खत्म हो चुका है। साथ ही, उनके मुताबिक, क्षेत्र की शीर्ष वाइनरी के दुनिया भर में लंबे समय से साझेदार हैं, जिन्हें बोतलें उपलब्ध होने पर प्राथमिकता मिलती है। इससे नए ग्राहकों के लिए कम वाइन बचती है।

उन्होंने कहा कि बरगंडी की एक वाइनरी से सीधे खरीदारी के उनके अनुभव से पता चलता है कि आवंटन कितना सीमित हो सकता है। एक मामले में, उन्होंने बताया कि पूरे साल के लिए 12 वाइन की कुल 49 बोतलें ही मिलीं, जिनमें कुछ वाइन की केवल दो या तीन बोतलें उपलब्ध थीं। उन्होंने कहा कि वाइनरी के साझेदारों के माध्यम से खरीदने पर अक्सर इससे भी कम आवंटन मिलता है।

उन्होंने यह भी कहा कि वितरण व्यवस्था से मुख्यभूमि चीन में DRC की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बढ़ती है। He के मुताबिक, वाइनरी का मुख्यभूमि चीन में कोई प्रत्यक्ष एजेंट नहीं है। उसका हांगकांग एजेंट Watson's Wine सीमित आवंटन प्राप्त करता है और अपने बिक्री चैनलों को नियंत्रित करता है, जिससे यह जानना मुश्किल हो जाता है कि अंततः कितनी वाइन मुख्यभूमि के बाजार तक पहुंचती है।

उन्होंने कहा कि आपूर्ति पर दबाव से संदिग्ध दावों को भी बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने बरगंडी की एक प्रमुख वाइनरी की बोतल से जुड़े नकली वाइन के एक मामले का जिक्र किया, जिसमें बताई गई बॉटलिंग तारीख लेबल पर छपी फसल की तारीख से मेल नहीं खाती थी। उन्होंने चीन में हर साल DRC की कई हजार बोतलें खपत होने की बाजार में चल रही बात को भी खारिज किया और कहा कि वाइनरी का उत्पादन बहुत कम होने के कारण ऐसे आंकड़े विश्वसनीय नहीं हैं।

सार्वजनिक उत्पादन अनुमान इस बात को रेखांकित करते हैं। आम तौर पर माना जाता है कि Domaine de la Romanée-Conti सालाना लगभग 6,000 से 8,000 केस बनाती है, जबकि कहा जाता है कि उसकी Romanée-Conti grand cru का सालाना उत्पादन केवल करीब 5,000 से 6,000 बोतल है।

उन्होंने कहा कि 7 नवंबर को अपनी कंपनी के दौरे के दौरान उन्होंने इनमें से कुछ मुद्दों पर बरगंडी के वाइन व्यापार निकाय के अध्यक्ष से चर्चा की थी।